CAREERINDIA

कक्षा-12 (ऐच्छिक)
हिंदी

प्रश्न पत्र बनाते हुए निम्न 'अंक-योजना' को ध्यान में रखा गया है–

अंतरा (गद्य और काव्य)		40
अंतराल		10
अभिवयक्ति और माध्यम		20
पाठ्यपुस्तकेतर गद्यांश एवं काव्यांश		10
आंतरिक मूल्यांकन		20
1) परियोजना कार्य	10	
2) सतत मूल्यांकन	10	
कुल		100

परियोजना कार्य के अंतर्गत निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में दी गई गतिविधियों (विशेषत: अभिव्यक्ति और माध्यम) पर आधारित परियोजना कार्य वैयक्तिक एवं सामूहिक रूप में दिए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए अपना अखबार, अपनी पत्रिका, डायरी या पूरे साल की गतिविधियों की कार्टूनपरक अभिव्यक्ति, विभिन्न चैनलों पर आने वाले समाचारों का तुलनापरक अध्ययन, कहानी, कविता, विभिन्न विधाओं का रूपांतरण, पटकथा निर्माण आदि।

सतत मूल्यांकन के लिए कक्षा में सक्रिय सहभागिता, विद्यालयी गतिविधियों में हिस्सेदारी, जिज्ञासा एवं प्रश्नाकुलता, नाटक, वाद-विवाद, संगीत, वाद्य-संचालन, विज्ञापन रचना, साक्षात्कार लेना आदि कार्यों को शामिल किया जा सकता है।

टिप्पणी

सतत मूल्यांकन के लिए विद्यालय में एक तिमाही रजिस्टर बनवाया जाए एवं परियोजना कार्य के मूल्यांकन का कार्य बाह्य और आंतरिक परीक्षक से करवाया जा सकता है।

मूल्यांकन

किसी तयशुदा उत्तर को आधार मानकर विद्यार्थी के तार्किक, सुसंगत, विवेचनात्मक भाषिक अभिव्यक्ति को आधार माना जाए।

निर्धारित पुस्तकें

(i) अंतरा भाग-2
(ii) अंतराल भाग-2
(iii) अभिव्यक्ति और माध्यम
(सभी एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित)

www.careerindia.com

कक्षा-12 (ऐच्छिक)
हिंदी
प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

1. **निम्नलिखित गद्यांशों का आशय स्पष्ट करते हुए भाषा-शैली पर भी टिप्पणी कीजिए–** 4 + 2 = 6

जीना भी एक कला है। लेकिन कला ही नहीं, तपस्या है। जियो तो प्राण ढाल दो जिन्दगी में, मन ढाल दो जीवनरस के उपकरणों में! ठीक है। लेकिन क्यों? क्या जीने के लिए जीना ही बड़ी बात है? सारा संसार अपने मतलब के लिए ही तो जी रहा है।

अथवा

धिक्कार है उन्हें जो तीलियाँ तोड़ने के बदले उन्हें मजबूत कर रहे हैं, जो भारतभूमि में जन्म लेकर और साहित्यकार होने का दंभ करके मानव मुक्ति के गीत गाकर भारतीय जन को पराधीनता और पराभव का पाठ पढ़ाते हैं। ये द्रष्टा नहीं हैं, इनकी आँखें अतीत की ओर हैं। ये स्रष्टा नहीं हैं, इनके दर्पण में इन्हीं की अहंवादी विकृतियाँ दिखाई देती हैं।

2. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** 3 + 3 +3 = 9

(क) प्रेमघन की स्मृति छाया पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक का हिंदी साहित्य के प्रति झुकाव किस तरह बढ़ता गया?

(ख) कुटज को गाढ़े का साथी क्यों कहा गया है?

(ग) आपकी दृष्टि में प्रकृति के कारण विस्थापन और औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में क्या अंतर है?

3. 'प्रमाण से अधिक महत्त्वपूर्ण है विश्वास' शेर लघुकथा में आए इस वक्तव्य से आप कहाँ तक सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। 4

अथवा

'गांधी, नेहरू और यास्सेर आराफात' पाठ के आधार पर बताइए कि रोगी बालक के प्रति गांधी जी का व्यवहार कैसा था? गांधी जी की जगह आप होते तो क्या करते?

4. **निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–** 1 + 3 + 1= 5

चढ़कर मेरे जीवन-रथ पर
प्रलय चल रहा अपने पथ पर

CAREERINDIA

मैंने निज दुर्बल पद-बल पर
उससे हारी-होड़ लगाई।

अथवा

फागुन पवन झँकोरै बहा। चौगुन सीउ जाइ किमि सहा।।
तन जस पियर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होइ झोरा।।
तरिवर झरै झरै बन ढाँखा। भइ अनपत्त फूल फर साखा।।
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू।।
फाग करहि सब चाँचरि जोरी। मोहिं जिय लाइ दीन्हि जसि होरी।।
जौं पै पियहि जरत अस भावा। जरत मरत मोहि रोस न आवा।।
रातिहु देवस इहै मन मोरें। लागौं कंत छार? जेऊँ तोरें।।
यह तन जारौं छार कै कहौं कि पवन उड़ाउ।
मकु तेहि मारग होइ परौं कंत धरैं जहँ पाउ।।

5. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला या विद्यापति के जीवन और रचनाओं का परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का भी उल्लेख कीजिए। 2 + 1 + 2= 5

अथवा

फणीश्वर नाथ रेणु या निर्मल वर्मा के जीवन और रचनाओं का परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की विशेषताओं का भी उल्लेख कीजिए।

6. निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 3 + 3 = 6

(क) 'कार्नेलिया का गीत' कविता में जयशंकर प्रसाद ने भारत की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया है?

(ख) "मैं जानऊँ निज नाथ सुभाऊ" में राम के स्वाभाव की कौन सी विशेषताएँ उभर कर आई हैं? लिखिए।

(ग) 'ये झूठे बंधन टूटे तो धरती को हम जाने'-पंक्तियों को ध्यान में रखते हुए बताइए कि झूठे बंधन टूटने और धरती को जानने से क्या अभिप्राय है?

7. निम्नलिखित काव्यांश की काव्यगत विशेषताएँ/काव्य-सौंदर्य लिखिए- 5

तब तौ छबि पीवत जीवत है, अब सोचन लोचन जात जरे।
हित-तोष के तोष सु प्रान पले, बिललात महा दुख दोष भरे।
घनआनंद मीत सुजान बिना, सब ही सुख-साज-समाज टरे।
तब हार पहार से लागत है, अब आनि कै बीच पहार परे।।

www.careerindia.com

CAREERINDIA

अथवा

हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल!
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण!

(क) निराला हिंदी कविता के किस युग के कवि माने जाते हैं? 1

(ख) उपर्युक्त काव्यांश की काव्य भाषा की मुख्य विशेषताएँ बताइए। 2

(ग) कन्ये किसे कहा गया है? कवि उसका तर्पण किस प्रकार करना चाहता है? 2

8. भैरों सूरदास की झोंपड़ी जलाने के साथ-साथ उसके पैसे भी ले गया। फिर भी सूरदास गाँव वालों के सामने धन चोरी की बात क्यों नहीं स्वीकार कर रहा था? 4

अथवा

'यह फूस की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी'–इन पंक्तियों को ध्यान में रखते हुए बताइए कि सूरदास की अभिलाषाओं की तुलना फूस की राख से क्यों की गई है?

9. 'आरोहण' कहानी के आधार पर भूप सिंह के व्यक्तित्व की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

अथवाा

भूप सिंह अपने छोटे भाई रूप सिंह पर क्यों खफा था?

10. 'बच्चे का माँ का दूध पीना सिर्फ दूध पीना नहीं, माँ से बच्चों के सारे संबंधों का जीवन चरित होता है'–'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर विश्लेषण कीजिए/टिप्पणी कीजिए। 4

अथवाा

'मालवा में विक्रमादित्य, भोज और मुंज रिनेसां के बहुत पहले हो गए'–इस कथन के संदर्भ में पानी के रखरखाव के कुछ प्राचीनतम तरीकों का उल्लेख कीजिए।

11. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं। सटीक विकल्प चुन कर लिखिए– 5

(क) इंटरनेट पत्रकारिता आजकल बहुत लोकप्रिय है क्योंकि–

www.careerindia.com

CAREERINDIA

(*i*) इससे दृश्य एवं प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ मिलता है।
(*ii*) इससे खबरें बहुत तीव्र गति से पहुँचाई जा सकती हैं।
(*iii*) इससे खबरों की पुष्टि तत्काल होती है।
(*iv*) इससे न केवल खबरों का संप्रेषण, पुष्टि, सत्यापन होता है बल्कि खबरों के बैकग्राउंडर तैयार करने में तत्काल सहायता मिलती है।

(ख) रेडियो समाचार के लिए उपयुक्त भाषा शैली है।
(*i*) जिसमें आम बोलचाल के शब्दों का प्रयोग हो।
(*ii*) जो समाचार वाचक आसानी से पढ़ सके।
(*iii*) जिसमें आम बोलचाल की भाषा के साथ-साथ सटीक मुहावरों का इस्तेमाल हो।
(*iv*) जिसमें सामासिक और तत्सम शब्दों की बहुलता हो।

(ग) निम्न में से किसे आप टी.वी. में सूचना देने का चरण नहीं मानते हैं–
(*i*) फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज
(*ii*) एंकर बाइट
(*iii*) लाइव
(*iv*) अपडेट

(घ) निम्न में से किसे आप फीचर की विशेषता नहीं मानेंगे–
(*i*) फीचर को सजीव बनाने के लिए उसमें उस विषय से जुड़े लोगों यानी पात्रों की मौजूदगी जरूरी है।
(*ii*) कहानी को बताने का अंदाज ऐसा हो कि आपके पाठक यह महसूस करें कि वे खुद देख और सुन रहे हैं।
(*iii*) फीचर को किसी बैठक या सभा के कार्यवाही विवरण की तरह लिखा जाना चाहिए।
(*iv*) फीचर को मनोरंजक होने के साथ-साथ सूचनात्मक होना चाहिए।

(ङ) निम्न में से किसे आप तीसरे दौर की इंटरनेट पत्रकारिता का काल कहेंगे–
(*i*) 1960 से 1980 तक
(*ii*) 1982 से 1992 तक
(*iii*) 1993 से 2001 तक
(*iv*) 2002 से अब तक

12. निम्न में से किसी एक विषय पर 60-70 शब्दों में टिप्पणी लिखिए– 4
(क) फीचर
(ख) संपादकीय
(ग) स्तंभ लेखन

www.careerindia.com

CAREERINDIA

(घ) समाचार लेखन की उलटा पिरामिड शैली

13. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों में आपको सर्वश्रेष्ठ माध्यम कौन सा लगता है और क्यों? तर्क सहित उत्तर दीजिए। 4

अथवा

"नाटक की कहानी बेशक भूतकाल या भविष्यत्काल से संबद्ध हो, तब भी उसे वर्तमान काल में ही घटित होना पड़ता है"—लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

14. निम्न में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में लेख लिखिए— 7

(क) एक यादगार दिन

(ख) मेरे शहर/गाँव का चौराहा

(ग) एक कामकाजी औरत की शाम

(घ) सावन की पहली झड़ी

अथवा

अपने आपको अखबार का संपादक मानते हुए किसी महत्त्वपूर्ण समसामयिक घटना को ध्यान में रखते हुए एक संपादकीय लिखिए।

15. पाठ्यपुस्तकेतर गद्य (अपठित) 5

आधुनिक लेखकों से तात्पर्य उन सभी व्यक्तियों से है जो ज्ञान-विज्ञान की विविध शाखाओं पर लिखा करते हैं और जिनके लिखित विचारों को छापे की मशीन के भीतर से गुजर कर जन साधारण तक पहुँचने का अवसर मिलता है। लेखक वे भी कहला सकते हैं जिनका लिखना उनके घर तक या मित्रों तक रह जाता है। पर आधुनिक लेखक से मतलब केवल उन्हीं लेखकों से है जिनका लिखा सर्वसाधारण तक पहुँच जाता है। इनमें भी कई श्रेणियाँ हैं। सबके अलग-अलग ढंग के कार्य हैं। अलग-अलग ढंग के प्रभाव हैं। प्रेस आज का सबसे अधिक शक्तिशाली यंत्र है। तुलसीदास जी ने तीर्थवादी का माहात्म्य वर्णन करते समय लिखा था कि इसमें स्नान करके काक पिक हो जाया करते हैं और वक मगर हो जाते हैं। प्रेस वह गंगा है जिसमें स्नान करने के बाद व्यक्तिगत विचार सामाजिक हो जाया करते हैं। एक बार जो बात प्रेस रूपी गंगा में स्नान करके निकला, वह पब्लिक बन गयी। प्रेस की इस महिमामयी शक्ति को आजकल सर्वत्र बहुत महत्व दिया जाने लगा है। शक्तिशाली सरकारें प्रेस से त्रस्त रहा करती हैं और सब समय सतर्कता के साथ नियंत्रण करती रहती हैं।

स्पष्ट है कि लेखन का कार्य सामाजिक उत्तरदायित्व का कर्तव्य है। लेखक के विचारों की अच्छाई या बुराई समाज की अच्छाई या बुराई को प्रभावित करती है। जनचित को प्रभावित, आंदोलित और चालित करने वाली जितनी भी संस्थाएँ आधुनिक समाज को ज्ञात है—समाचार पत्र, सिनेमा, विश्वविद्यालय, अदालतें, व्यवस्थापिका सभाएँ—सबको

www.careerindia.com

लेखक के क्रियात्मक सहयोग की जरूरत पड़ती है। सबको लेखन कार्य से पोषण मिलता है। वस्तुत: संसार जितना भी आगे बढ़ता है या पीछे हटता है, उलझता है या ठिठकता है–सबका प्रधान उत्तरदायित्व लेखकों पर है। स्पष्ट है कि यह उत्तरदायित्व बहुत व्यापक और महान है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) उपर्युक्त गद्यांश में आधुनिक लेखक किसे माना गया है?

(ख) शक्तिशाली सरकार भी प्रेस से क्यों भयभीत रहती है तथा उसे क्यों नियंत्रित करना चाहती है?

(ग) गद्यांश में लेखक के उत्तरदायित्व को व्यापक और महान क्यों माना गया है?

(घ) 'प्रेस वह गंगा है जिसमें स्नान करने के बाद व्यक्तिगत विचार सामाजिक हो जाया करते हैं'–ऐसा लेखक ने क्यों कहा है?

(ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

16. पाठ्यपुस्तकेतर काव्यांश **5**

दिवस गया विवश थका हुआ शिथिल
तिमिरमयी हुई वसुंधरा निखिल
जमीन आसमान में दिये जले
मगर जगत हुआ नहीं प्रकाशमय।
सभी तरफ विभा बिखर गई तरुणा
कलित ललित हुआ सभी कलुष करुण
किसी समय बुझे हुए दिये जले,
किन्हीं नयन प्रदीप में जगा प्रणय!
चढ़ा मुंडेर मुर्ग सिर उठा रहा
पुकार बार-बार यह बता रहा
सुभग, सजग, सजीव प्रात आ रहा;
नयी नज़र, नयी लहर, नया समय!

(क) दिवस को विवश, थका हुआ एवं शिथिल क्यों कहा गया है?

(ख) 'जमीन-आसमान में दिये जले'–भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) मुँडेर पर चढ़ मुर्ग किस बात की सूचना दे रहा है?

(घ) कविता में सुभग, सजग, सजीव विशेषणों का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(ङ) प्रस्तुत काव्यांश में प्रकृति की किन दो स्थितियों को मुख्य रूप से उभारा गया है?

(च) नयी नजर, नयी लहर, नया समय के माध्यम से कविता किस ओर संकेत कर रही है।

www.careerindia.com